भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, खंडवा रोड, इन्दौर-452001

फाइल क्रमांक. प्रेस नोट/प्रेस व पब्लिसिटी/2023/10

भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान द्वारा सोयाबीन बीजोत्पादन कृषकों के लिए *कार्यक्रम का आयोजन तथा महाराष्ट्र के उस्मानाबाद जिले के 20 कृषक उत्पादक संस्थाओं के लिए प्रशिक्षण का समापन*

इंदौर, मध्य प्रदेश. भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान, इंदौर द्वारा मालवा एवं निमाड़ क्षेत्र के 45 सोयाबीन बीजोत्पादन कृषकों के लिए AICRP NSP SEED परियोजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ. कार्यक्रम के प्रारंभ में संस्थान के सोयाबीन बीजोत्पादन प्रभारी, डॉ मृणाल कुचलन ने वर्तमान में मौसम की अनिश्चितता के दौर में सोयाबीन की शीघ्र समयावधि वाली किस्मों के अतिरिक्त मध्यम एवं देरी से पकने वाली किस्मों के समावेश पर जोर दिया. इस अवसर पर संस्थान के निदेशक डॉ के. एच. सिंह ने आशा जताई कि किसानों के सहयोग से आने वाले वर्षों में सोयाबीन के गुणवत्तापूर्ण बीजोत्पादन के साथ-साथ नई विकसित किस्मों को किसानों तक ले जाने में सहायता मिलेगी. उन्होंने कहा कि इसके लिए मध्य प्रदेश के निमाड़ क्षेत्र में जहाँ सिंचाई के लिए पर्याप्त सुविधा उपलब्ध हैं, रबी के मौसम में बीज उत्पदान हेतु प्रयास किया जा सकता हैं.

संस्थान में आज महाराष्ट्र के उस्मानाबाद जिले कि 20 कृषि उत्पादक संस्थाओं के 90 कृषकों के लिए सोया उत्पादन, प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन विषय पर आयोजित तीन दिवसीय कृषक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ जिसके समापन सत्र के अवसर संस्थान के निदेशक डॉ के.एच.सिंह तथा संस्थान के तीनों विभागों के अध्यक्ष डॉ अनीता रानी, डॉ महावीर शर्मा एवं डॉ बी.यु. दुपारे उपस्थित थे. इस अवसर पर डॉ सिंह ने कहाँ कि सोयाबीन को अभी तक केवल तिलहनी फसल के रूप में जाना जाता हैं, जबकि इसमें अनेक पोष्टिक तत्व होते हैं जो कि मानव शरीर के लिए अत्यंत लाभकारी हैं. अतः इसके पौष्टिक गुण, प्रसंस्करण तकनिकी एवं खाद्य पदार्थों को घरेलु तथा लघु-उद्योग स्तर पर निर्माण एवं मार्केटिंग का प्रचार-प्रसार हेतु इस प्रकार के आयोजन किये जा रहे हैं. इससे यह

संदेश जाना चाहिए कि तिलहनी फसल के साथ-साथ सोयाबीन एक प्रोटीन युक्त फसल हैं. ऐसा करने से सोयाबीन आधारित खाद्य पदार्थों में देश में खपत बढ़ेगी जिससे मूल्य वृद्धि होने की सम्भावना होगी. इस अवसर पर इन्कुबेशन केंद्र के प्रभारी डॉ महावीर शर्मा ने जानकारी देते हुए कहा कि विगत तिन माह में संस्थान के इन्कुबेशन केंद्र द्वारा महाराष्ट्र के 50 कृषक उत्पादक संस्थाओं के लगभग 250 सदस्यों को प्रशिक्षित किया गया है. इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान सोयाबीन से बने विभिन्न खाद्य पदार्थ जैसे सोया दूध, सोया-छांछ, सोया श्रीखंड, सोया-पनीर, सोया पकौड़े, सोया हलवा, सोया उपमा आदि के साथ साथ सोया आटा आधारित बेकरी पदार्थ बनाने की प्रसंस्करण तकनिकी बाबत प्रदर्शन सहित जानकारी दी गई. इन खाद्य पदार्थों के प्रदर्शन हेतु संस्थान के इन्कुबेशन केंद्र के श्री योगेश सोहनी, श्री अभिषेक भारती, सुश्री सीमा चौहान तथा श्री दीपक की भूमिका महत्वपूर्ण रहीं हैं. इसके समापन समारोह के अवसर पर प्रशिक्षनार्थी कृषकों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

.....